Request for establishment of Industrial Model Township (IMT) in Ambala

श्री कार्तिकेय शर्मा (हरियाणा) : महोदय, अंबाला में औद्योगिक मॉडल टाउनशिप (IMT) की स्थापना पिछले 14 -15 सालों से जनता की मांग रही है, जो इस क्षेत्र की आर्थिक क्षमता और औद्योगिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की आवश्यकता से प्रेरित है। अंबाला राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क पर स्थित होने के कारण दिल्ली और चंडीगढ़ जैसे बड़े शहरों से बेहतरीन कनेक्टिविटी का आनंद लेता है। हालांकि, अंबाला का वर्तमान औद्योगिक सेट-अप अभी भी अविकसित है, जिससे क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि बाधित होती है और रोजगार के अवसर सीमित हो जाते हैं।

महोदय, अंबाला में IMT की स्थापना न केवल वहां की बेरोजगारी की दर को कम करेगा, बल्कि वहां की आर्थिक स्थिरता को भी मजबूत करेगा। IMT से जुड़े बुनियादी ढांचे का विकास, जिसमें बेहतर सड़कें, नागरिक सुविधाएं और लॉजिस्टिक्स सुविधाएं शामिल हैं, कनेक्टिविटी और रहने की गुणवत्ता को बढ़ाएगा, जिससे न केवल औद्योगिक संचालन बल्कि निवासियों के दैनिक जीवन को भी लाभ होगा। इसी तरह कालका की एचएमटी फैक्ट्री के बंद होने से अंबाला संसदीय क्षेत्र के आसपास के क्षेत्रों में इंडस्ट्रीज पर भी बेहद प्रभाव पड़ा है, हालांकि इसका कारण शहर में बुनियादी विकास, रोड कनेक्टिविटी इत्यादि की कमी थी, लेकिन इससे अंबाला संसदीय क्षेत्र का समग्र विकास धीमा हो गया है। इसीलिए मैं भारत सरकार से अनुरोध करता हूं कि वे कालका के विकास के लिए शीघ्र ही एक उचित उद्योग वहां स्थापित करे।

महोदय, अंबाला में IMT की स्थापना से न केवल अंबाला बल्कि पूरे हरियाणा और आस-पास के क्षेत्रों के लोगों का विकास सुनिश्चित हो।

Demand to teach traffic rules subject in the country from primary level in schools

श्री अमर पाल मौर्य (उत्तर प्रदेश) : महोदय, जब कोई व्यक्ति किसी कार्य को अपना कर्तव्य समझकर करता है, तो वह उसके जीवन का एक अभिन्न अंग बन जाता है। जब कोई बच्चा छोटा होता है तो उसके माता-पिता उसे बताते हैं कि यह मां है, भाई है और यह बहन है। वे बच्चे को इसका बोध कराते हैं और वह बच्चा जब बड़ा होता है तो उसे अपने माता पिता के प्रति क्या कर्त्तव्य होने चाहिए, पता चलते हैं। वह जैसे-जैसे बड़ा होता है, वैसे-वैसे उसे उसका बोध होता है एवं उसके पश्चात् जीवन भर अपने दायित्वों का निर्वहन करता है ।

महोदय, इसी प्रकार से यातायात नियमों को भी इस प्रकार की भावनाओं से सीखने की आवश्यकता है। आज व्यक्ति प्रशासन के डर के कारण हेलमेट लगाता है कि कहीं उसका चालान न कट जाए, कार में सीट बेल्ट भी इसलिए ही लगाता है। आज ऐसी भावनाओं को बदलने की आवश्यकता है। ट्रैफिक पुलिस भी चालान इसीलिए काटती है कि राजस्व इकट्ठा करना है और सरकारों में ऐसी व्यवस्था भी है कि इतने चालान साल भर में काटने हैं।

महोदय आज इन दोनों व्यवस्थाओं में सुधार करने की अति आवश्यकता है जिससे जन और धन दोनों की हानि से बचा जा सकता है। अतः मेरा सरकार से निवेदन है कि स्कूल स्तर हो या फिर कॉलेज, अपने जीवन में सभी प्रकार के संस्थानों में और नौकरी करने वाली सभी संस्थाओं में यात्रा नियमों के पालन के विषय की पढ़ाई और सड़क पर जाकर प्रत्यक्ष रूप से संचालन अपना

कर्तव्य समझकर करना है, न कि डर के कारण करना है, यही आज की आवश्यकता है।

महोदय, आपने मुझे यहाँ अपनी बात रखने का अवसर दिया है, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. SASMIT PATRA): The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by the hon. Member, Shri Amar Pal Maurya: Shri Madan Rathore (Rajasthan), Shri Mayankbhai Jaydevbhai Nayak (Gujarat), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu) and Shri Mahendra Bhatt (Uttarakhand).

Concern over critical railways safety staffing issues amidst tragic mishaps

DR. SYED NASEER HUSSAIN (KARNATAKA): Sir, I bring to the House's attention a critical issue affecting the safety of the Indian Railways. As of March 2024, over 1.5 lakh safety positions remain vacant, constituting more than 15% of sanctioned roles. This shortage is especially severe in crucial positions like train drivers and inspectors. Recent train mishaps highlight the urgent need for action. Since the tragic Odisha rail accident last year, which claimed over 290 lives, India has witnessed numerous derailments.

(MR. CHAIRMAN *in the Chair.)*

Notably, in the past six weeks alone, three passenger train accidents have resulted in 17 deaths and over 100 injuries. The most recent incident near Barabamboo in Jharkhand, where 18 coaches of the Howrah-Mumbai Mail derailed, has already claimed two lives and injured over 20 passengers.

It is reported that 14,429 loco pilot posts are vacant out of 70,093, and 4,337 assistant driver positions are unfilled out of 57,551 posts. Immediate action is required. I urge the hon. Minister of Railways to prioritize filling these safety-critical positions to ensure the safety of millions who depend on our Railways daily.

MR. CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Special Mention raised by the hon. Member, Dr. Syed Naseer Hussain: Shrimati Sagarika Ghose (West Bengal), Ms. Dola Sen (West Bengal), Shri Jawhar Sircar (West Bengal), Shri A. A. Rahim (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Haris Beeran (Kerala), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala) and Shri R. Girirajan (Tamil Nadu).